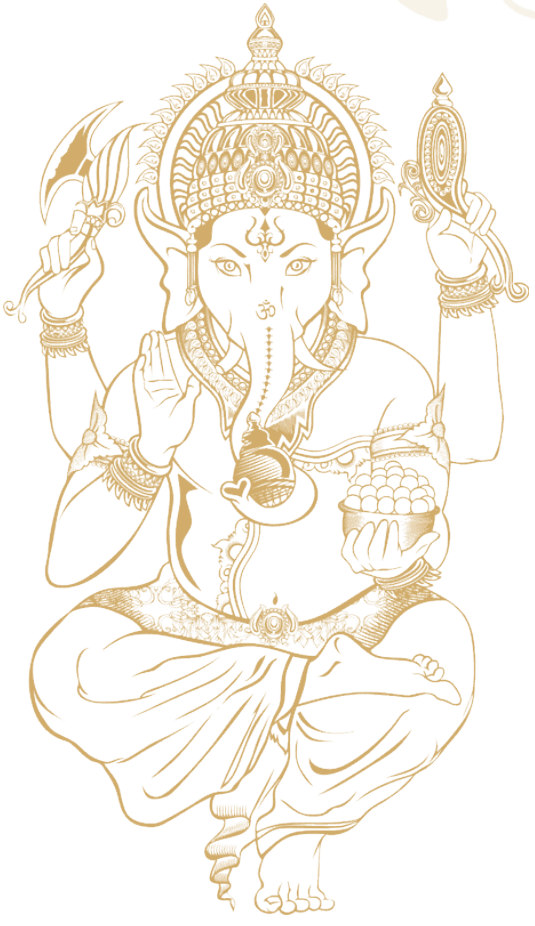

Yadvendra kumar

Mansi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119636317

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/12/1995	जन्म तिथि	24/06/1996
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:50:00	जन्म समय	14:47:00 घंटे
घटी 42:14:28	जन्म समय(घटी)	23:25:46 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Azamgarh
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:03:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	83:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:56:12	सूर्योदय	05:06:52
17:23:44	सूर्यास्त	18:52:36
23:48:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 1वर्ष 6मा 17दि		11:56:51	सिंह	लग्न	तुला	16:22:11	चन्द्र 9वर्ष 1मा 6दि	
शुक्र		15:16:47	वृश्चि	सूर्य	मिथु	09:19:37	राहु	
19/06/2021		15:34:48	मीन	चंद्र	कन्या	11:11:50	31/07/2012	
19/06/2041		07:05:38	धनु	मंगल	वृष	14:33:10	01/08/2030	
शुक्र	19/10/2024	20:02:19	वृश्चि	बुध	वृष	21:12:37	राहु	14/04/2015
सूर्य	19/10/2025	28:48:26	वृश्चि	गुरु व	धनु	20:14:02	गुरु	06/09/2017
चन्द्र	20/06/2027	11:25:17	धनु	शुक्र व	वृष	19:12:03	शनि	13/07/2020
मंगल	19/08/2028	24:16:55	कुंभ	शनि	मीन	13:05:16	बुध	31/01/2023
राहु	19/08/2031	02:00:11	तुला	राहु	कन्या	19:40:56	केतु	18/02/2024
गुरु	19/04/2034	02:00:11	मेष	केतु	मीन	19:40:56	शुक्र	18/02/2027
शनि	19/06/2037	04:00:53	मक	हर्ष व	मक	09:57:15	सूर्य	13/01/2028
बुध	19/04/2040	29:51:38	धनु	नेप व	मक	03:11:25	चन्द्र	13/07/2029
केतु	19/06/2041	07:01:45	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	07:05:20	मंगल	01/08/2030

लग्न-चलित

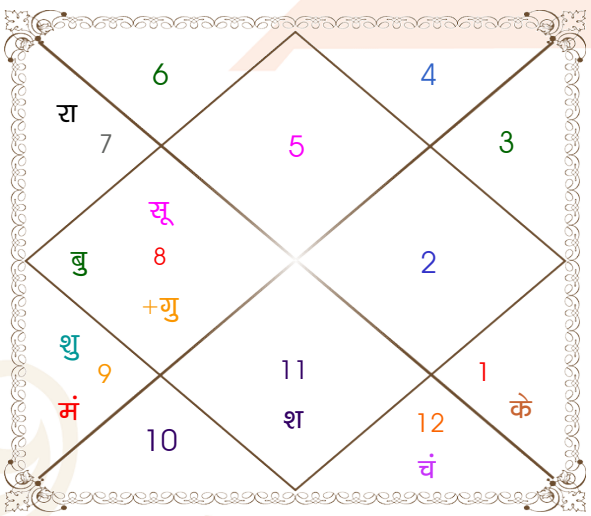

लग्न-चलित

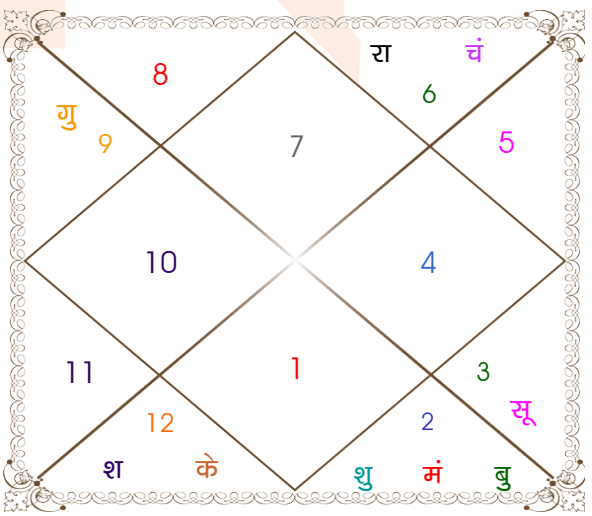

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

ल्कअमदकतं ानउंत का वर्ग सिंह है तथा डंदेप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ल्कअमदकतं ानउंत और डंदेप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ल्कअमदकतं ानउंत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डंदेप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ल्कअमदकतं ानउंत कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ल्कअमदकतं ानउंत तथा डंदेप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।